Key Indicator – 3.2

3.2.2 No. of workshops/Seminars conducted on Research Methodology Intellectual property Rights (IPR) and entrepreneurship during the last 5 years. (Weightage-5)

(View Document-IV & V)
IV-List of Seminars /Workshops
V-List of Entrepreneurial Activities

Year	2014-2015	2016	2017	2018
Number	06 (E)	07 (3E+3 S)	10 (4 E+ 7 S)	07 (E)

List of Document-IV

S.N.	Name of the Workshops/Seminars	Organised by the Dept.	No. of Participants	Date From –To	Link to the activity report on the Website
1.	**National Workshop-** Role of FDI in retail market.	**Commerce**	413	2-3 Feb. 2016	
2.	**National Seminar-** Vikas ke Prakriya me Nritya.	**Dance**	216	4-5 Feb. 2016	
3.	**National Workshop-** Innovative trends in Textile Designing.	**Home Sc.**	188	11-12 Nov. 2016	
4.	**National Seminar-** Indian Classical Music- In Modern Perspective of Time and Social Trends.	**Music**	115	6-7 Jan. 2017	
5.	**National Seminar-** Present Scenario in Phyto-Microbial Aspects Beneficial to Mankind.	**Botany**	161	27-28 Jan. 2017	

S.N.	Name of the Workshops/Seminars	Organised by the Dept.	No. of Participants	Date From –To	Link to the activity report on the Website
6.	**National Seminar-** Behavioural Impact of Animals & Micro-organisms on Human Life and their Environment.	**Zoology**	235	3-4 Feb. 2017	
7.	**National Workshop-** Emerging trends of chemicals in Human Life.	**Chemistry**	252	6 Feb. 2017	
8.	**National Workshop-** Recent trends in Scientific Research on Conservation and Diversity of Forest.	**Botany**	80	6 Feb. 2017	
9.	**National Seminar –** हिन्दी साहित्य में प्रेम के अभिव्यक्ति के विभिन्न आयाम	**Hindi**	188	7-8 Feb. 2017	
10.	**National Workshop-** Indian Folk & Tribal Painting.	**Drawing & Painting**	288	4-10 Sep. 2017	

PRINCIPAL
Govt. Dr. W.W. Patankar
Girls' P.G. College, Durg (C.G

Office of the Principal,
Govt.Dr. W.W. Patankar Girls P.G. College Durg

(Old Name : Govt. Girls PG College Durg) Ph No. 2323773

Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

COLLEGE CODE : 1602

Entrepreneurial Skill Development Activities

Sl.	Name of the Programm	Date & Year	Days	Participants	Organizer/ Sponsor	Programm Incharge
1	Food Preservation Workshop	13-18 October 2014	06 days	119	Horticulture Department, Raipur	Dr. Babita Dubey
2	Entrepreneurship Awareness Program	13-15 November 2014	03 days	85	Citcon NSTEDB	Dr. Babita Dubey
3	Entrepreneurship Training Program	13.02.2015 to 14.03.2015	28 days	25	UGC (MRP)	Dr. Babita Dubey
4	WEDP (Women Entrepreneurship Development Program)	03-28 April 2015	25 days	30	Citcon NSTEDB	Dr. Babita Dubey
5	Entrepreneurship Awareness Program	09-11 November 2015	03 days	70	Citcon NSTEDB	Dr. Babita Dubey
6	Entrepreneurship Awareness Program	12-14 December 2015	03 days	70	Citcon NSTEDB	Dr. Babita Dubey
7	Food Preservation Workshop	11-16 January 2016	06 days	30	National Nutrition Board Women & Child Welfare Dept., Raipur	Dr. Babita Dubey
8	Matishilp Workshop	29-31 August 2016	03 days	300	Drawing Dept.	Shri Yogendra Tripathi
9	Career Guidance Workshop	08-09 December 2016	02 days	189	RUSA	Dr. Babita Dubey
10	Entrepreneurship Awareness Program	07-09 January 2017	03 days	185	Citcon NSTEDB	Dr. Babita Dubey
11	Entrepreneure Cooking & Grooming Workshop	17-24 November 2017	07 days	300	Shubhash Agrawal	Dr. Babita Dubey
12	Entrepreneurship Training Program	07-08 November 2017	02 days	100	NIFD	Dr. Babita Dubey
13	Entrepreneurship Training Program	27 December 2017	01 day	100	Citcon NSTEDB + Mesers Bharti Sales	Dr. Babita Dubey
14	Entrepreneurship Awareness Program	22-24 January 2018	03 days	100	Citcon NSTEDB	Dr. Babita Dubey
15	WEDP (Women Entrepreneurship Development Program)	02 Feb to 05 March 2018	28 days	30	Citcon NSTEDB	Dr. Babita Dubey
16	Food Preservation Workshop	18-24 August 2018	07 days	89	National Nutrition Board Women & Child Welfare Dept., Raipur	Dr. Babita Dubey
17	Textile Ornamentation & Garment Making	04-10 Sept. 2018	7 days	89	CDDM (Costume & Dress Designing Dept.) Rajnadgaon	Dr. Babita Dubey
18	Entrepreneurship Awareness Program	27-29 Sept. 2018	03 days	79	Citcon NSTEDB	Dr. Babita Dubey
19	WEDP (Women Entrepreneurship Development Program)	15.10.2018 to 28.11.2018	28 days	30	Citcon NSTEDB	Dr. Babita Dubey
20	Jewellery Designing Workshop	14.12.2018	1 day	100	Diya Development of Creativity & Welfare Society	Dr. Babita Dubey

W.W. Patankar Girls P.G. College DURG

PRINCIPAL
Govt Dr. WW. Patankar
Girls PG. College, Durg (C G

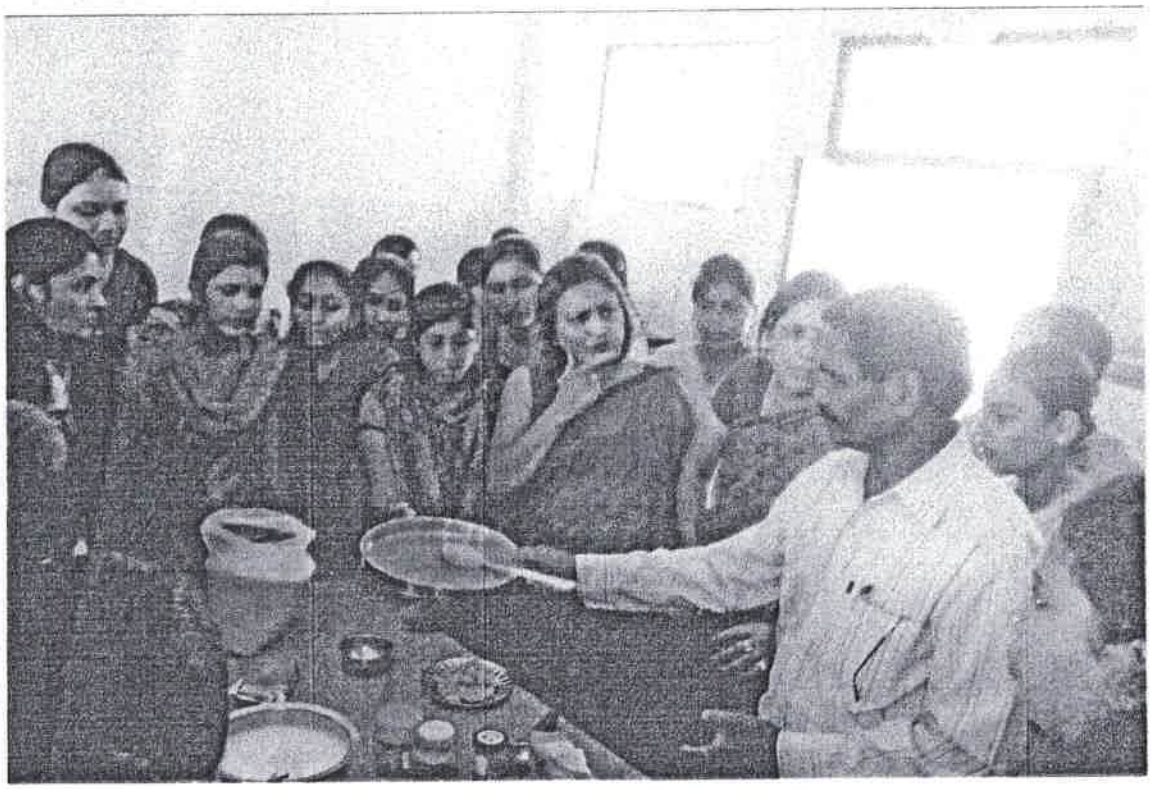

खाद्य - परिरक्षण कार्यशाला

13-18 Oct.
2014

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls P.G. College * DURG

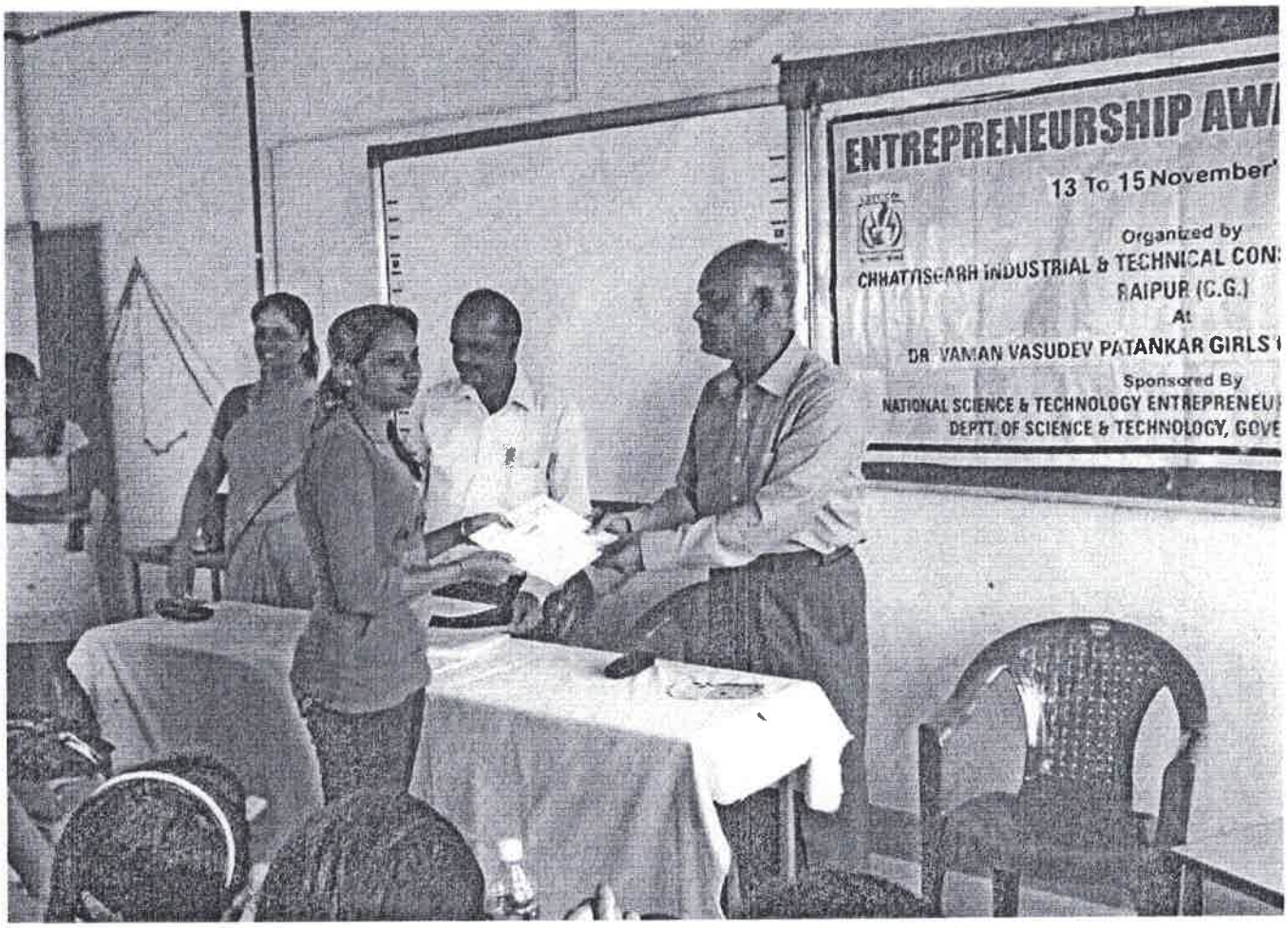

Dr. V.V. Patankar Girls P.G. College ★ Govt. DURG

13.02.2015 to 11.02.2015

Few Glimpses of Enterpreneurial Activity

Govt. D.W.W. Patankar Girls P.G. College ★ DURG

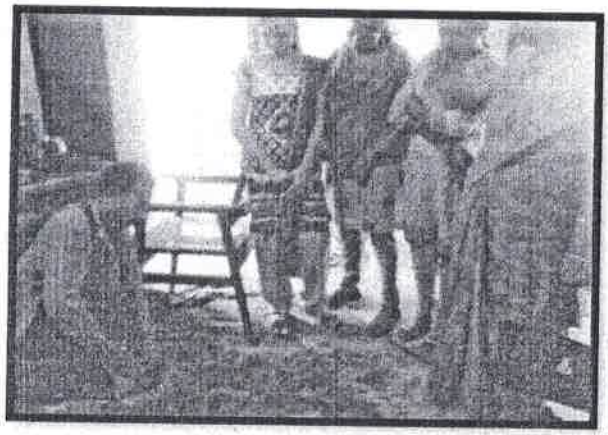

Dr. W.W. Patankar Girls P.G. College ★ Govt. DURG

दुर्ग शहर

नवभारत 4

उद्यमिता जागरुकता शिविर का मिला लाभ

दुर्ग. शासकीय व.व. पाटणकर स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय में त्रि-दिवसीय उद्यमिता शिविर लगा. लघु उद्यम तथा स्वरोजगार संचालन के लिए महाविद्यालय छात्राओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजि सत्र में 70 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. भारत शासन के विज्ञान एवं प्रौद्योगिक मंत्रालय द्वारा प्रवर्तित उद्यमिता शिविर को छग इंडस्ट्रियल एंड टेक्नीकल कंसलटेन्सी सेंटर सीटकान रायपुर द्वारा संचालित किया गया. इस सत्र में उद्यमिता, लघु उद्यम चयन, प्रभावी संप्रेषण, बाजार सर्वेक्षण, वित्तीय प्रबंधन, परियोजना प्रतिवेदन एवं सफल उद्यमी से परिचय कराया गया. समापन अवसर पर प्राचार्य डा. दीपक कारकून ने अपने उदबोधन में उद्यमिता के महत्व बताए. प्रतिभागियों में से झरना ठाकुर, राधा साहू, हेमलता साहू, रजनी, योगिता मंडावी, निशा निर्मलकर ने जागरूकता शिविर में हुए अनुभवों को साझा किया. उद्यमिता जागरूकता शिविर के सफल संचालन में महाविद्यालयीन उद्यमिता प्रकोष्ठ प्रधान डा. बबीता दुबे एवं सकाय विशेषज्ञों का योगदान सराहनीय रहा सत्र का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक सीटकान राकेश स्वर्णकार एवं प्रशिक्षक हेमंत घोटे ने किया. रवि ताम्रकार ने आभार व्यक्त किया.

Dr. W.W. Patankar Girls P.G. College ★ Govt. DURG

9/12/15 to 12/12/15 Entrepreneurship Awareness camp

Three-day Entrepreneurship camp conducted at CITCON

■ Staff Reporter
DURG, Dec 12

THREE-DAY Entrepreneurship camp was conducted by Chhattigarh Industrial and Technical Consultancy Centre (CITCON) Raipur at Government Dr. WW Patankar Post Graduate Girls College. Purpose of the camp sponsored by Department of Science and Technology (DST), Government Of India was motivating college students to start small enterprise for self employment. 70 girl students participated in the camp.

During the sessions participants were explained entrepreneurship, small enterprise selection, effective communication, market survey, financial management, project report. They were introduced to successful entrepreneur.

During concluding session Principal Dr. Deepak Karkun told about importance of entrepreneurship. Participants Jharna Thakur, Radha Sahu, Hemlata Sahu, Rajni, Yogita Mandavi, Nisha Nirmalkar narrated their experience of the camp. Entrepreneurship Cell In-charge Dr. Babita Dube and faculty members' contribution was praiseworthy in successful conduction of the camp. Sessions were conducted by Senior Consultant Rakesh Swarnkar, CITCON, Raipur and Instructor Hemant Dhote. Ravi Tamrakar proposed a vote of thanks.

Rakesh Swarnkar explaining nuances of entrepreneurship.

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls P.G. College DURG

बीए की छात्राएं डेली नीड्स का सामान बनाएंगी

एससी-एसटी वर्ग की छात्राओं के लिए लगा उद्यमिता शिविर

गर्ल्स कॉलेज में चल रहा प्रशिक्षण

हमारे प्रतिनिधि

दुर्ग. छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने तरह-तरह के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं. पढ़ाई के साथ-साथ उन्हें लघु उद्योग या रोजगार स्थापित करने के उपायों पर भी जानकारी दी जा रही है. शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग में एससी-एसटी वर्ग की बीए प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए कॉलेज में उद्यमिता शिविर लगाई गई है. पांच दिवसीय शिविर में छात्राओं को डेली नीड्स के सामानों जैम जेली, टोमेटो कैचअप, इमली, हरी मिर्च, टमाटर की चटनी, जायकेदार व पौष्टिक व्यंजन बनाने की विधि बताई जा रही है.

खाद्य एवं पोषण बोर्ड महिला एवं बाल विकास मंत्रालय रायपुर के तत्वावधान में छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है. प्रशिक्षण में कॉलेज के 30 छात्राओं ने भाग लिया. यह प्रशिक्षण निर्देशन अधिकारी विलास डांगे व कॉलेज के उद्यमिता इंचार्ज डॉ. बबीता दुबे के मार्गदर्शन में संचालित है. पहले दिन मुरब्बा सॉस, मिक्स वेज आचार, शरबत, गुलाब सीरप, पेटा आदि बनाना सिखाया गया.

गर्ल्स कॉलेज में प्रशिक्षण के दौरान बनाया जा रहा जैम-जेली

70 फीसदी सस्ता पड़ेगा

उद्यमिता प्रशिक्षण के निदेशन अधिकारी विलास डांगे ने बताया कि प्रशिक्षण में बताए गए खाद्य पदार्थ यदि घर में बनाए तो ये पदार्थ बाजार की कीमत से 70 फीसदी सस्ता पड़ेगा. इसके अलावा पौष्टिकता भी रहेगी.

प्रशिक्षण से उत्साहित हैं छात्राएं

आत्मनिर्भर बनाने की पहल

बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा दिव्या जांगड़े ने बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ डेली नीड्स के सामानों को बनाने की विधि सीखकर वे बेहद उत्साहित है. आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह कॉलेज प्रबंधन की सार्थक पहल है.

उद्यमिता प्रशिक्षण लाभदायक

बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा सीमा नायरंगे ने बताया कि ऐसे उद्यमिता प्रशिक्षण से उन्हें बेहद लाभ हुआ. कम खर्च में बेहतरीन व पौष्टिक चीजें बनाने की विधि सिखाई गई.

व्यवसाय में मददगार

बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा सीमा सिरमौर ने बताया कि उद्यमिता शिविर में विविध प्रकार के व्यंजनों के बनाने की विधि सिखाई गई, जो भविष्य में स्वयं के स्वावलंबन के लिए मददगार होगा. कम लागत में बेहतर आमदनी भी होगी.

हानिकारक केमिकल नहीं

गर्ल्स कॉलेज की बीए प्रथम वर्ष की छात्रा झरना ठाकुर ने बताया कि उद्यमिता प्रशिक्षण में जैम, रसना, टोमेटो कैचअप सहित अन्य चीजों को बनाने की विधि बताई गई. इन सभी चीजों में किसी प्रकार की हानिकारक केमिकल नहीं डाला गया. जबकि बाजारों में मिलने वाली ऐसी चीजों में हानिकारक केमिकल का खतरा बना रहता है.

व्यवहारिक विधि का उपयोग

बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा अमिता कोसरे ने बताया कि उद्यमिता प्रशिक्षण में मिक्स फ्रुट बनाने की जो विधि बताई गई वह बेहद ही व्यवहारिक व सरल है. शिविर से उन्हें बहुत फायदा मिला है.

कार्यशाला में मौजूद निलोचानी पैकरा, मनीषा ठाकुर, पूजा कस्तूरे, बबीता, दीपिका रावटे व रोशनी ध्रुव सहित अन्य छात्राओं ने प्रशिक्षण शिविर को बेहद लाभप्रद बताया.

M.M. Patankar Girls P.G. College Govt. Dr. DURG

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)

पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207

Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 31.08.2016

प्रेस–विज्ञप्ति

शास0 कन्या महाविद्यालय में "माटी शिल्प पर कार्यशाला का समापन"

छात्राओं ने बनाई गणेश मूर्तियाँ

शासकीय वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में तीन दिवसीय 'माटी शिल्प' कार्यशाला का समापन आज हुआ। छात्राओं ने भारी उत्साह के बीच 200 मूर्तियाँ बनाई।

महाविद्यालय के चित्रकला विभाग के तत्वाधान में आयोजित कार्यशाला में इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय के कलाकारों द्वारा तीन दिन तक छात्राओं को मूर्ति बनाने, रंग करने का प्रशिक्षण दिया। गणेश पर्व को ध्यान में रखते हुए गणेश प्रतिमा तथा विभिन्न सजावटी वस्तुएँ बनाने का तरीका सिखाया गया। पर्यावरण संरक्षण के लिए इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमा बनाई गई। कलर के लिए गेरू, पीली मिट्टी, कत्था का इस्तेमाल किया गया। छात्राओं ने विभिन्न मुद्राओं में प्रतिमाएँ बनाई जो देखते बनती थी। विभागाध्यक्ष श्री योगेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि इन मूर्तियों को विद्यार्थी अपने घर ले जाएगें तथा पर्व के उपरांत घर में ही बाल्टी में विसर्जन कर गमलों में पानी को डालेगें।

मुख्य प्रशिक्षण श्री राजेन्द्र सोनगुरिया ने बताया कि विद्यार्थियों का उत्साह देखते हुए निकट भविष्य में अन्य कलाकृतियों का निर्माण भी सिखाया जावेगा। इस कार्यशाला में छात्राओं के साथ शिक्षकों एवं जनभागीदारी सदस्यों का भी सहयोग मिला।

अंतिम दिन बनाई गई कलाकृतियों एवं मूर्तियों की प्रदर्शनी लगाई गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यशाला की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को इसी तरह रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता रखने को कहा।

छात्रसंघ अध्यक्ष कु0 रूचि शर्मा, उपाध्यक्ष कु0 नेहा साहू, सचिव कु0 कोमल डडसेना तथा सहसचिव कु0 निकता पांडे ने सक्रिय भागीदारी दी।

प्राचार्य

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls P.G. College DURG

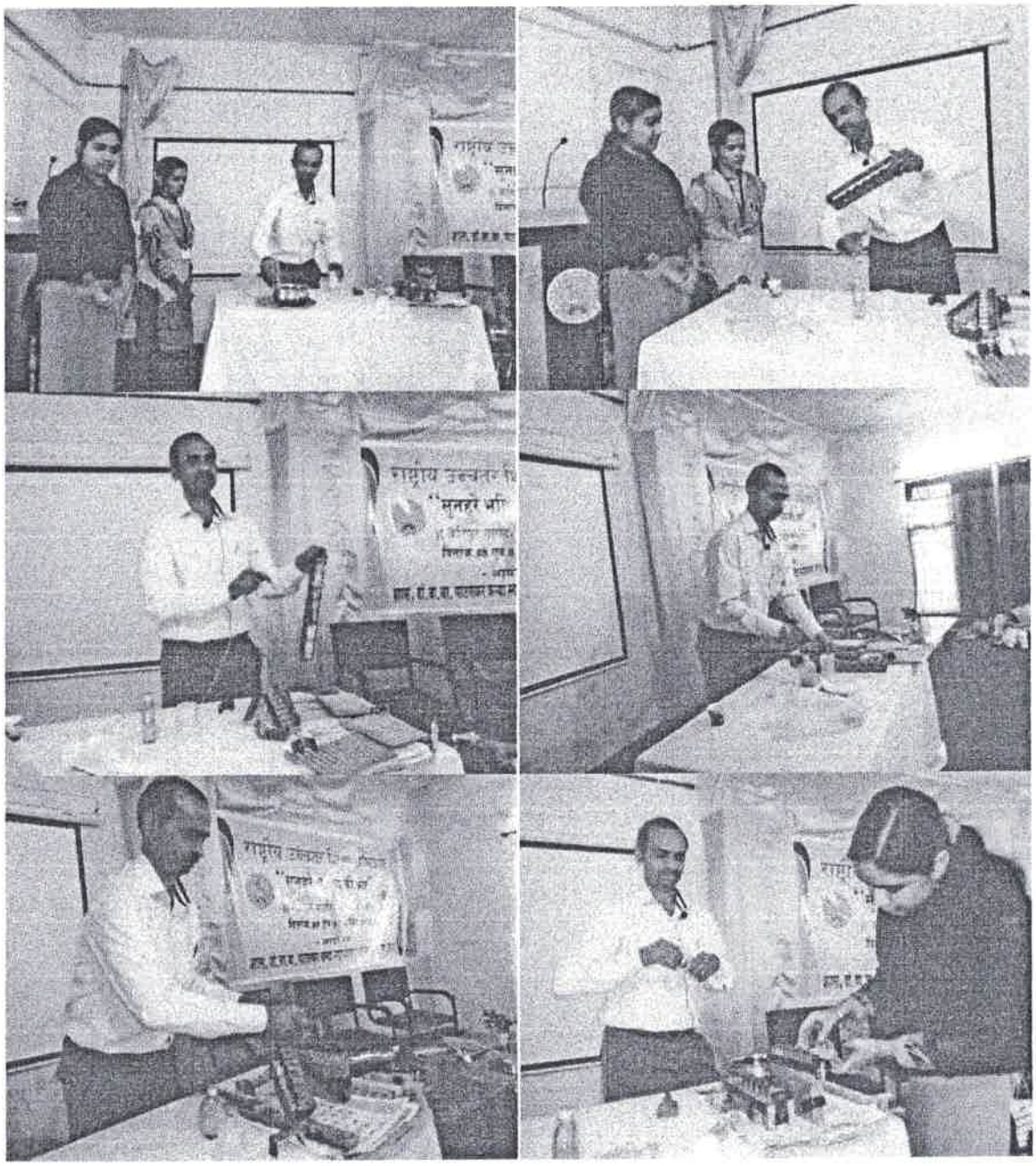

एनिमा उपचार प्रशिक्षण कार्यशाला

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls P.G. College ★ DURG

उत्साही उद्यमी देश के लिए महत्वपूर्ण : निमोणकर

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ इंडस्ट्रीयल एंड टेक्नीकल कन्सलटेंसी सेंटर (सिटकॉन) के तत्वावधान में महाविद्यालय की आईक्यूएसी इकाई ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

■ पढ़ो भी और कमाओ भी कार्यशाला आयोजित

कार्यशाला में सिटकॉन के राज्य प्रमुख इंजीनियर प्रसन्न निमोणकर ने उद्यमिता के गुणों की चर्चा करते हुए कहा कि उत्साही उद्यमी देश के लिए आवश्यक है क्योंकि वह रोजगार पाता नहीं बल्कि रोजगार के अवसर देता है। उन्होनें बताया कि करो और सीखो की तरह पढ़ों भी और कमाओ भी को अपनाएं।

कार्यशाला में भारती सेल्स नागपुर के संचालक सफल उद्यमी अमित वैद्य ने छात्राओं को सेनेटरी नैपकिन के विपणन की संभावनाओं की जानकारी दी। उन्होनें बताया कि भारती सेल्स मध्य भारत की आधुनिकतम तकनीक से युक्त सेनेटरी नैपकिन निर्माण की इकाई है। उन्होने निर्माण प्रक्रिया की जानकारी पावर पाईंट के माध्यम से दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ उद्यमिता के विषय में जानकारी होना आवश्यक है जो कलांतर में आजीविका का साधन बन सकती है।

आयोजन प्रभारी डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि हम सभी जानते है कि प्रतिस्पर्धा के युग में हमें नौकरी के अलावा स्वरोजगार को भी अपनाना चाहिए जिससे हम रोजगार के नये-नये अवसर भी समाज को दे सकें।कार्यक्रम का संचालन करते हुए वाणिज्य संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ. केएल राठी ने उद्यमिता के उद्देश्यों की चर्चा करते हुए छोटी-छोटी इकाईयों से स्वरोजगार की दिशा में बढ़ने को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत स्वस्थ्य भारत मिशन के तहत यह एक अभिनव पहल है जिसमें बताया गया कि उत्पाद के विक्रय को स्वरोजगार का साधन कैसे बनाया जा सकता है।जनवरी माह में एक माह का प्रशिक्षण कार्यशाला महाविद्यालय में सीटाकॉन के तत्वाधान में आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम में प्राध्यापकों के साथ छात्राएं भी उपस्थित थीं।

28-12-17

Govt. D.W.W. Patankar Girls P.G. College ★ DURG

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2212207 फैक्स 0788 2212207
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 24.11.2016

// प्रेस विज्ञप्ति //

गर्ल्स कॉलेज में "सौन्दर्य प्रशिक्षण" कार्यशाला संपन्न

मेकअप और पहनावा से जुड़ा है व्यक्तित्व.....

शासकीय डॉ0 वा0वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में तीन दिवसीय सौंदर्य प्रशिक्षण (ब्यूटी पार्लर) कार्यशाला में छात्राओं ने सीखे सौंदर्य के नये नये आयाम वो भी कम खर्चे में।

बढ़ती कीमतों और मंहगें सौंदर्य प्रसाधनों के बीच कम खर्च एवं प्राकृतिक वस्तुओं से सौंदर्य को निखारना न केवल आर्थिक सोच बल्कि बढ़ते केमिकल के उपयोग से बचने का भी माध्यम है।

नई दिल्ली से प्रशिक्षित अंचल की प्रसिद्ध सौंदर्यकला विशेषज्ञ कु0 निकिता (खुशी) अग्रवाल ने तीन दिनों में छात्राओं को ऐसे ही टिप्स दिए जो आज के समय के अनुकुल तथा बहु–उपयोगी है।

व्यावसायिकता के चलते फैशन के दौर में ब्यूटीपार्लर का क्रेज बढ़ा है। यह स्वावलम्बन का बेहतर क्षेत्र भी है। प्रशिक्षण के दौरान मेकअप के तरीके, साड़ी पहनने के प्रकार, दुल्हन का श्रृंगार, फेशियल, स्कीन एवं हेयर केयर पर विस्तार से चर्चा हुई और तरीके बताए गए।

व्यक्तित्व विकास के लिए मेकअप के साथ पहनावे पर भी फोकस रहा। छात्राओं ने विभिन्न हेयर स्टाईल एवं कपड़ों के चयन पर भी काफी सीखा।

निकिता अग्रवाल ने सौंदर्य प्रशिक्षण को कैरियर तथा पार्ट टाईम जॉब के लिए उपयुक्त बताते हुए इसकी बारिकियाँ बतलाई।

तीन दिवसीय कार्यशाला के समापन पर महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री वर्मा ने छात्राओं के कौशल विकास पर सतत् रूप से महाविद्यलय में आयोजित होने वाली कार्यशालाओं को बहुउपयोगी एवं सार्थक बतलाया।

उन्होनें स्वावलंबन की दिशा में छात्राओं को अग्रणी रहने का आव्हान करते हुए इन प्रशिक्षणों में बताए गए तथ्यों को प्रैक्टिस के जरिए उपयोगी बनाने को कहा।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुशील चन्द्र तिवारी ने पाककला विशेषज्ञ सुभाष अग्रवाल का शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया।

उन्होनें कहा कि शीघ्र ही महाविद्यालय में हस्तकला एवं घरेलु उपयोग की वस्तुएँ बनाने का प्रशिक्षण भी आयोजित किया जावेगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 ऋचा ठाकुर ने किया। इस अवसर पर पाक कला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें 50 छात्राओं ने "पनीर के व्यंजन" बना कर प्रस्तुत किए जिन्हें शैफ सुभाष अग्रवाल के द्वारा पुरस्कृत किया गया।

छात्रसंघ अध्यक्ष कु0 रूचि शर्मा ने आभार प्रदर्शन किया तथा प्रतिभागी छात्राओं ने कार्यशाला की उपयोगिता पर अपने विचार रखे।

Govt. Dr. V.V. Patankar Girls P.G. College ★ DURG

Workshop on 'earn while learning' held at Dr Patankar Girls College

Dignitaries present during the workshop at Dr Patankar Government Girls College.

■ **Staff Reporter**
DURG, Dec 27

THE Internal Quality Assessment Cell of Dr. Patankar Government Girls College organised a workshop on 'earn while learning' under the auspices of Chhattisgarh Industrial and Technical Consultancy Centre (CITCON).

Distinguished guests including renowned entrepreneurs expressed their views in the workshop focussed on entrepreneurship development.

While briefing on the qualities needed for entrepreneurship, CITCON State Head, engineer Prasanna Nimonkar stated, enterprising entrepreneurs are significant for country as he or she provides employment opportunities to others instead of seeking employment. He advised the students attending the workshop to earn while learning like do and learn. Addressing the gathering, owner of Nagpur based sanitary napkin manufacturing firm 'Bharti Sales', Amit Vaidya threw light on possibilities of marketing of sanitary napkins while giving a power point presentation on manufacture of napkins through modern techniques.

Meanwhile, Principal Dr. Sushil Chandra Tiwari stated that besides getting education one should also have entrepreneurship knowledge as it can become of source of livelihood.

Similarly, programme in-charge Dr. Babita Dubey who also expressed her views laid stress on self-employment and stated that in the present era of cut-throat competition one should adopt self-employment so as to provide employment to others thus contributing for society.

While conducting the workshop's proceedings, Head of Commerce Department Dr. K L Rathi detailed on objectives of entrepreneurship and termed the step of moving towards self-employment through small units imperative. He informed that it's a novel initiative taken under 'Swachh Bharat Swastha Bharat' mission.

College professors and large number of students participated in the workshop. It is worth mentioning here that in January, CITCON will be organising a month long training workshop in the college.

HITVADA · 28·12·17

कार्यशाला में उद्यमी बनाने के सिखाए गुर

दुर्ग. शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ इंडस्ट्रीयल एंड टेक्नीकल कन्सलटेंसी सेंटर (सिटकॉन) के तत्वावधान में महाविद्यालय की आईक्यूएसी इकाई ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया.

कार्यशाला में उपस्थित छात्राओं को संबोधित करते इंजी. प्रसन्न निमोणकर

कार्यशाला में सिटकॉन के राज्य प्रमुख इंजी. प्रसन्न निमोणकर ने उद्यमिता के गुणों की चर्चा करते हुए कहा कि उत्साही उद्यमी देश के लिए आवश्यक है क्योंकि वह रोजगार पाता नहीं बल्कि रोजगार के अवसर देता है. उन्होंने बताया कि करो और सीखो की तरह पढ़ो भी और कमाओ भी को अपनाएं. कार्यशाला में भारती सेल्स नागपुर के संचालक सफल उद्यमी अमित वैद्य ने छात्राओं को सेनेटरी नैपकिन के विपणन की संभावनाओं की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि भारती सेल्स मध्य भारत की आधुनिकतम तकनीक से युक्त सेनेटरी नैपकिन निर्माण की इकाई है. उन्होंने निर्माण प्रक्रिया की जानकारी पावर पाईंट के माध्यम से दी. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ उद्यमिता के विषय में जानकारी होना आवश्यक है जो कलांतर में अजीविका का साधन बन सकती है. आयोजन प्रभारी डॉ. बबीता दुबे व वाणिज्य संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ. के.एल. राठी ने उद्यमिता के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम में प्राध्यापकों के साथ छात्राएं भी बड़ी संख्या में उपस्थित थी.

नवभारत 28 Dec

Dr. W.W. Patankar Girls P.G. College ★ Govt. DURG

ANCHOR

छात्राओं ने जाने सफल उद्यमी बनने के गुर

गर्ल्स कॉलेज में तीन दिवसीय उद्यमिता जागरुकता प्रशिक्षण शिविर

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई • सफल उद्यमी बनने के लिए बाजार में अच्छी पैठ के साथ अच्छे कार्मिकों का साथ ही किसी व्यक्ति को सफल उद्यमी बनाता है। ऐसे ही टिप्स के साथ गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने उद्यमिता जागरुकता एवं प्रशिक्षण शिविर में सफल उद्यमी बनने के गुर सीखे। महाविद्यालय के उद्यमिता प्रकोष्ठ के संयोजन में हुए इस शिविर में छत्तीसगढ़ इंडस्ट्रियल एंड टेक्नीकल कन्सलटेंसी सेंटर (सिटकॉन) के सहयोग से विषय विशेषज्ञों ने चयनित 60 छात्राओं सभी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए व्यवसाय का चुनाव, स्थल चयन, पूंजीगत व्यवस्था, आर्थिक सहयोग संबंधी शासकीय योजनाएं बजट प्रस्ताव, व्यवसाय प्रबंध के गुर, कार्मिक व्यवस्थाएं एवं समस्याएं, मार्केटिंग जैसे मुद्दों पर विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी।

बताई बिजनेसमैन की भूमिका

शिविर में डॉ. एएस कालेज ने छात्राओं को बताया कि उद्योग व्यवसाय की सफलता में संप्रेषण कला की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होनें सफल उद्यमी के आचरण व्यवहार कौशल पर चर्चा करते हुए 'बाजार' में अपनी पैठ बनाने तथा कर्मियों से अधिकाधिक श्रम उपार्जन पर सफलता प्राप्त करने के गुर सिखाएं। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को प्रेरित किया। इस अवसर पर अवसर पर छात्राओं को क्रेजी बेकरी, चंदखुरी, दुर्ग का भ्रमण भी कराया गया। छात्राओं ने फैक्ट्री में जाकर वहां के निर्माण कार्यो की जानकारी ली तथा वहां व्यवसाय प्रबंधन का प्रशिक्षण भी लिया। शिविर में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. के.एल. राठी, डॉ. शशि कश्यप आदि उपस्थित थे।

Dr. W.W. Patankar Girls P.G. College & Govt. DURG

...स्थिति अनिवार्य है। ... दत्ता, डॉ. अंजना चौधरी, डॉ आरती साहू ...

महिला उद्यमिता विकास प्रशिक्षण का समापन

दुर्ग, 7 मार्च (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ इंडस्ट्रीयल एंड टेक्नीकल कंसलटेंसी सेंटर (सिटकॉन) तथा राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड नई दिल्ली के तत्वाधान में एक माह का महिला उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र दुर्ग के महाप्रबंधक अनिल श्रीवास्तव, सिटकॉन के उपप्रबंधक प्रकाश मरकले के आतिथ्य में प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. बबीता दुबे ने जानकारी दी की एक माह के इस कार्यक्रम में उद्योग से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्याख्यान तथा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। विभिन्न औद्योगिक इकाईयों का भ्रमण कराया गया।

समापन समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने उद्बोधन में शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी तथा कहा इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम से छात्राओं को जानकारी एक जगह मिल जाती है।

जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र के महाप्रबंधक अनिल श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री स्वरोजगार सृजन योजना तथा छत्तीसगढ़ शासन की विभिन्न योजनाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला।

सिटकॉन की समन्वयक प्रतिमा गुप्ता ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का ब्यौरा दिया।

इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थी विनिता वैष्णव, शिवानी, योगिता आदि ने अपने अनुभव बताए। सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र दिए गए।

आत्मनिर्भर बनाने छात्राओं को दी गई ट्रेनिंग

भिलाई ● शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ इंडस्ट्रीयल एंड टेक्नीकल कंसलटेंसी सेंटर (सिटकॉन) तथा राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड नई दिल्ली के तत्वावधान में एक माह तक छात्राओं को उद्यमिता विकास प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र दुर्ग के महाप्रबंधक अनिल श्रीवास्तव, सिटकॉन के उपप्रबंधक प्रकाश मरकले के आतिथ्य में प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। समन्वयक डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि एक माह के इस कार्यक्रम में उद्योग से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्याख्यान तथा प्रशिक्षण दिया गया। विभिन्न औद्योगिक इकाईयों का भ्रमण कराया। प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम से छात्राओं को जानकारी एक जगह मिल जाती है।

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls P.G. College
DURG

कन्या महाविद्यालय में कौशल विकास केन्द्र प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में छात्राओं के लिए कौशल विकास केन्द्र स्थापित किया गया है। महाविद्यालय के उद्यमिता प्रकोष्ठ के संयोजन में स्थापित केन्द्र में कौशल विकास से

- अगस्त में होगी खाद्य व फल परिरक्षण कार्यशाला

संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमीनार एवं औद्योगिक इकाई का भ्रमण का आयोजन नियमित रूप से होगा।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास की दिशा में भी दक्षता प्रदान करना इस केन्द्र का उद्देश्य है। जिसमें छात्राएं तीन वर्ष में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा तथा एडवांस डिप्लोमा प्राप्त कर सकेगी। बैठक में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साईस के सुप्रभातशील, सिटकॉन रायपुर की प्रतिभा गुप्ता, सामुदायिक खाद्य एवं पोषण आहार इकाई रायपुर के पूर्व अधिकारी विलास डांगे, छत्तीसगढ़ एजुकेशन रिसर्च एण्ड वेलफेयर सोसायटी की प्रोजेक्ट अधिकारी विनिता वैष्णव, स्माल स्केल इंडस्ट्रीज के प्रोजेक्ट डायरेक्टर हेमंत घोटे, बी.आई.टी दुर्ग के डॉ. अशोक चन्द्रा एवं डॉ. धर्मेन्द्र गंगेश्वर, महिला पॉलीटेक्निक राजनांदगांव की डॉ. मृदुला चैरसिया उपस्थित हुए।

केन्द्र प्रभारी डॉ. बबिता दुबे ने जानकारी दी कि अगस्त माह में खाद्य एवं फल परिरक्षण प्रशिक्षण की सात दिवसीय कार्यशाला तथा ड्रेस डिजाईन की सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। बैठक में वाणिज्य संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ. केएल राठी ने वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिये जीएसटी एवं टेली की कार्यशाला भी प्रारंभ करने की जानकारी दी। उद्यमिता प्रकोष्ठ की डॉ. सीमा अग्रवाल, डॉ. शशि कश्यप एवं प्लेसमेन्ट सेल प्रभारी डॉ. निसरीन हुसैन ने भी अपने विचार रखे।

July/August 2018

Govt. D.W.W. Patankar Girls P.G. College ★ DURG

छात्राओं ने सीखा जैम, जेली, शर्बत आचार व मुरब्बा बनाना

दुर्ग. शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कौशल विकास के अंतर्गत फल एवं खाद्य परिरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया. स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने महाविद्यालय में स्थापित कौशल विकास केन्द्र द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में छात्राओं को जैम, जेली, मुरब्बा, शर्बत, आचार, चटनी, टोमेटो एवं चीली-सॉस बनाने का प्रशिक्षण दिया गया. भारत सरकार के फल एवं खाद्य परिरक्षण विभाग के पूर्व निर्देशक अधिकारी विलास डांगे ने छात्राओं को कार्यशाला में आसान विधि से निर्माण की विधियां बतलाई. करौंदे, ईमली एवं लीची से चटनी, शर्बत एवं जैम बनाना सिखाया जो काफी पसंद किया गया. कार्यशाला में निर्माण विधियों के प्रशिक्षण के साथ ही मूल्य निर्धारण विधियों पैकेजिंग तथा मार्केटिंग के संबंध में भी जानकारी दी गयी.

कार्यशाला की संयोजक डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि महाविद्यालय की छात्राओं के 2 समूह ने स्टार्टअप इंडिया के दो चरणों में सफल हुई है तथा रायपुर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगी. छात्राओं के प्रोजेक्ट को स्टार्टअप इंडिया की कार्यशाला में पसंद किया गया जिसके आधार पर उनका चयन राज्य स्तर पर हुआ. कार्यशाला के समापन दिवस पर छात्राओं द्वारा बनाये गये उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी गयी तथा बिक्री की गयी. छात्राओं ने बाजार में जाकर इन वस्तुओं के मार्केटिंग एवं मूल्य निर्धारण के गुर भी सीखे. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यशाला की उपयोगिता को बतलाते हुए कौशल विकास के महत्व को रेखांकित किया. प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं ने अपने अनुभव बताए. महाविद्यालय की ओर से प्रशिक्षक विलास डांगे का सम्मान किया गया. कार्यशाला में गृहविज्ञान विभाग की डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. रिमशा लाकेश, डॉ. अजित भटनागर, श्रीमती मंजू एवं विमल यादव का सराहनीय योगदान रहा.

कार्यशाला

- फल एवं खाद्य परीरक्षण पर कार्यशाला
- स्टार्टअप इंडिया में भी छात्राओं का चयन

छात्राओं ने सीखा जैम, जेली, शर्बत आचार व मुरब्बा बनाना

दुर्ग. शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कौशल विकास के अंतर्गत फल एवं खाद्य परिरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया. स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने महाविद्यालय में स्थापित कौशल विकास केन्द्र द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में छात्राओं को जैम, जेली, मुरब्बा, शर्बत, आचार, चटनी, टोमेटो एवं चीली-सॉस बनाने का प्रशिक्षण दिया गया. भारत सरकार के फल एवं खाद्य परिरक्षण विभाग के पूर्व निर्देशक अधिकारी विलास डांगे ने छात्राओं को कार्यशाला में आसान विधि से निर्माण की विधियां बतलाई. करौंदे, ईमली एवं लीची से चटनी, शर्बत एवं जैम बनाना सिखाया जो काफी पसंद किया गया. कार्यशाला में निर्माण विधियों के प्रशिक्षण के साथ ही मूल्य निर्धारण विधियों पैकेजिंग तथा मार्केटिंग के संबंध में भी जानकारी दी गयी.

कार्यशाला की संयोजक डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि महाविद्यालय की छात्राओं के 2 समूह ने स्टार्टअप इंडिया के दो चरणों में सफल हुई है तथा रायपुर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगी. छात्राओं के प्रोजेक्ट को स्टार्टअप इंडिया की कार्यशाला में पसंद किया गया जिसके आधार पर उनका चयन राज्य स्तर पर हुआ. कार्यशाला के समापन दिवस पर छात्राओं द्वारा बनाये गये उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी गयी तथा बिक्री की गयी. छात्राओं ने बाजार में जाकर इन वस्तुओं के मार्केटिंग एवं मूल्य निर्धारण के गुर भी सीखे. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यशाला की उपयोगिता को बतलाते हुए कौशल विकास के महत्व को रेखांकित किया. प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं ने अपने अनुभव बताए. महाविद्यालय की ओर से प्रशिक्षक विलास डांगे का सम्मान किया गया. कार्यशाला में गृहविज्ञान विभाग की डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. रिमशा लाकेश, डॉ. अजित भटनागर, श्रीमती मंजू एवं विमल यादव का सराहनीय योगदान रहा.

कार्यशाला

- फल एवं खाद्य परीरक्षण पर कार्यशाला
- स्टार्टअप इंडिया में भी छात्राओं का चयन

Patankar Girls P.G. College ★ Govt. DURG

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.com

दिनांक : 12.09.2018

रिपोर्ट
गर्ल्स कॉलेज में

टेक्सटाईल डिजाइन कार्यशाला आयोजित

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में 7 दिवसीय टेक्सटाईल डिजाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र एवं गृहविज्ञान विभाग के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला में टेक्सटाईल डिजाइन के अन्तर्गत वस्त्र अलंकरण एवं परिधान निर्माण पर विशेष फोकस किया गया तथा प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला प्रभारी डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि इस सात दिवसीय कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक डॉ. मृदुल चौरसिया, मिनीमाता पॉलिटेक्निक कॉलेज, राजनांदगांव एवं श्रीमती सविता चौधरी, शास. पॉलीटेक्निक, दुर्ग थी। छात्राओं को कार्यशाला में बांधनी कला, छपाई, स्प्रे, कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया गया।

छात्राओं द्वारा बनाये गये वस्त्रों की टेक्सटाईल आर्ट गैलरी में प्रदर्शनी लगाई गयी जिसका विषय विशेषज्ञों ने अवलोकन कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय कलाकृतियों को पुरस्कार योग्य चुना।

कार्यशाला के समापन समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कौशल विकास केन्द्र के द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महाविद्यालय में नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही है जो स्वरोजगार तथा कौशल उन्नयन के लिए लाभप्रद है।

कार्यशाला में श्रेष्ठ तीन प्रतिभागियों प्रस्तुति को पुरस्कृत किया गया।

कार्यशाला में गृहविज्ञान की 100 छात्राओं ने सहभागिता दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बबीता दुबे ने किया। इस अवसर पर डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. रिमशा, डॉ. शशि कश्यप उपस्थित थे।

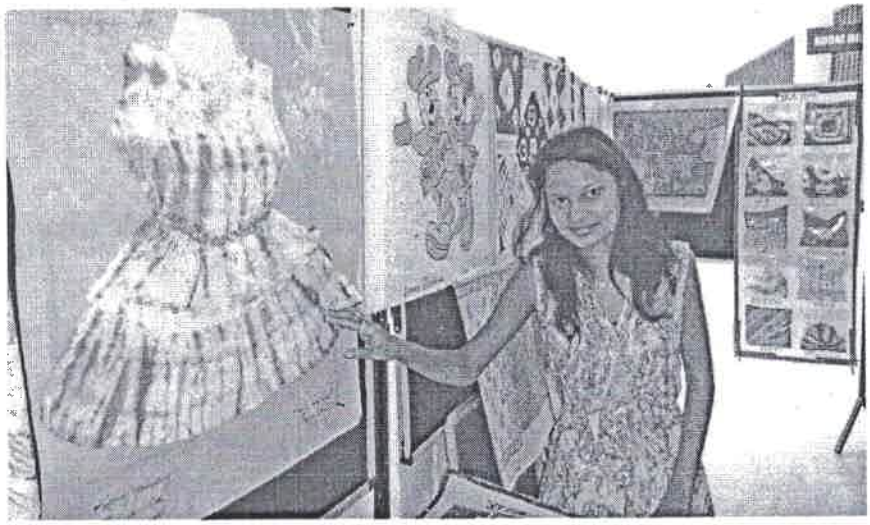

Govt. D.W.W. Patankar Girls P.G. College ★ DURG

CITY WORKSHOP.....

स्प्रे कढ़ाई और छपाई सीख गर्ल्स ने तैयार किए डिजाइनर ड्रेस

गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में लगी टेक्सटाइल डिजाइन वर्कशॉप

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ● बांधनी, स्प्रे से कढ़ाई, छपाई जैसे डिज़ाइनिंग के कई तरीकों को सीखकर होमसाइंस की छात्राओं ने एक से बढ़कर एक डिजाइनर ड्रेस तैयार की। गर्ल्स कॉलेज दुर्ग में हुई टेक्सटाइल डिज़ाइनिंग की कार्यशाला में सीखकर छात्राओं ने अपनी क्रिएटीविटी को एक्जीविशन के माध्यम से दिखाया। सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कौशल विकास केन्द्र एवं गृहविज्ञान विभाग की ओर से लगाई थी। कार्यशाला प्रभारी डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक डॉ. मृदुल चौरसिया, मिनीमाता पॉलिटेक्निक कॉलेज, राजनांदगांव एवं सविता चौधरी, शासकीय पॉलीटेक्निक दुर्ग थी।

चुनी गई बेस्ट डिजाइन

कार्यशाला के बाद कॉलेज में लगे एक्जीविशन में से एक्सपर्ट ने बेस्ट डिजाइन को चुना और छात्राओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय देकर पुरस्कृत किया। प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि नियमित प्रशिक्षण व कार्यशाला छात्राओं को काफी सीखने मिलता है। इस कार्यक्रम में गृहविज्ञान की 100 छात्राओं ने सहभागिता दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बबीता दुबे ने किया। इस अवसर पर डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. रिमशा, डॉ. शशि कश्यप उपस्थित थे।

M.M. Patankar Girls P.G. College ★ Govt. Dr. DURG

सिटकॉन प्रमुख ने की स्थायी उद्यमिता सेंटर शुरू करने की घोषणा...

ब्यूटिशियन और ड्रेस डिजाइनिंग सिखाएगा गर्ल्स कॉलेज, उद्यमिता की ओर बढ़ने तैयार हैं छात्राएं

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ◆ कन्या महाविद्यालय, दुर्ग के कौशल विकास केन्द्र से 30 छात्राएं उद्यमी बनने को तैयार हैं। इनमें कुछ नियमित तो कुछ पूर्व छात्राएं शामिल हैं। इन्होंने छत्तीसगढ़ इण्डस्ट्रियल एवं टेक्निकल कंसलटेंसी सेंटर (सिटकॉन) और राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वाधान में एक महीने का प्रशिक्षण पूरा किया है।

सिटकॉन के राज्य प्रमुख प्रसन्न निमोनकर ने सोमवार को समारोह में छात्राओं को प्रमाणपत्र दिए और उद्यमी बनने के लिए जरूरी बातें बताईं। डॉ. निमोनकर ने कहा कि मेहनत, लगन एवं संघर्ष से ही प्रारंभिक चरण में सफलता मिलती है। पत्थर के तराशने से मूर्ति बनती है वहीं कई पत्थर राह के किनारे यूं ही पड़े रहकर ठोकर खाते रहते है। कभी बाधाएं तकलीफ से हारना नहीं चाहिए, बल्कि उनसे लड़ना होगा। एक उद्यमी यह बात जानता है।

एक महीने में सीखा उद्यमिता का सबक

सिटकॉन की प्रशिक्षण प्रभारी प्रतिमा गुप्ता ने बताया कि एक माह में विषय विशेषज्ञों ने प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें व्यक्तित्व विकास, उद्योग व्यवसाय-चयन, बाजार सर्वेक्षण, स्थानीय संसाधन की जानकारी, पैकेजिंग एवं मूल्य निर्धारण और लोन की विस्तृत जानकारी दी गई। परियोजना तैयार करना एवं रिपोर्ट बनाना सिखाया गया। प्रशिक्षण में बैंक अधिकारियों, सीए और उद्योगों से जुड़े व्यवसायियों ने भी छात्राओं को को उद्यमिता की सीख दी।

सही जवाब देकर छात्राओं ने जीता पुरस्कार

गर्ल्स कॉलेज ने छात्राओं का सामान्य ज्ञान बढ़ाने नई पहल की है। हर सोमवार को एक प्रश्न पूछा जाता है जो सामान्य ज्ञान, बौद्धिक क्षमता, विज्ञान, सामयिक घटनाओं पर आधारित होता है। इसके लिए एक उत्तर बॉक्स रखा गया है, जिसमें छात्राएं शुक्रवार तक अपने उत्तर लिखकर डालती है। शनिवार को प्राप्त सही उत्तर में से लाटरी द्वारा 3 छात्राओं को पुरस्कार दिए जाते है। इस पहल के पहले चरण में ही छात्राओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की जिसमें रानी नागरा, मनीषा साहू और शिल्पा चक्रधारी को पुरस्कृत किया गया। उच्च शिक्षा विभाग की संयुक्त संचालक डॉ. किरण गजपाल ने छात्राओं को पुरस्कृत किया।

कुकिंग का प्रशिक्षण

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि पिछले दो वर्षों से छात्राओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। लघुउद्योग, कुटिर उद्योग में कई छात्राओं ने सफल प्रयास किए हैं, जो बड़ी उपलब्धि है। अब महाविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र ने कुकिंग, ब्यूटीशीयन एवं ड्रेस डिजाईनिंग पर कार्यशाला एवं प्रशिक्षण दिया जाएगा। छात्राओं को उद्यमिता की ओर लाकर आत्मनिर्भर बढ़ाने के लिए यह प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क होगा।कौशल विकास केन्द्र प्रभारी डॉ. बबिता दुबे ने कार्यक्रम का संचालन किया। छात्राओं में तब्बसुम, रानू, आनंदिता ने इस प्रशिक्षण को भविष्य के लिए कारगर बताया।

प्रोडक्ट्स का प्रशिक्षण मिला

छात्राओं ने वाशिंग पावडर, नैफ्थलीन गोली, कैंडल, बेकरी प्रोडक्ट, फिनायल, लिक्विड सोप, अगरबत्ती आदि बनाने का प्रशिक्षण लिया और इनका विक्रय कर आर्थिक लाभ कमाया। छात्राओं ने कहा कि वे इसे स्टार्टअप में बदलने तैयार है।

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls P.G. College DURG

गर्ल्स कालेज में महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम शुरू

दुर्ग, 22 अक्टूबर (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में छत्तीसगढ़ इण्डस्ट्रियल एवं टेक्नीकल कंसल्टेंसी सेंटर (सिटकॉन) द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड के सौजन्य से एक माह का महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।

छात्राओं को स्वावलंबी बनाने और उन्हें स्वयं का रोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से चार सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महाविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र की प्रभारी डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि प्रशिक्षण में विषय-विशेषज्ञों द्वारा प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें व्यक्तित्व विकास, उद्योग-व्यवसाय चयन, बाजार सर्वेक्षण, स्थानीय संसाधन की जानकारी दी जा रही है।

उद्योगों की स्थापना में सहायक शासकीय एवं वित्तीय संस्थाओं द्वारा प्रदत्त सुविधाओं की जानकारी भी दी जा रही है। सिटकॉन प्रभारी प्रतिभा गुप्ता ने जानकारी दी कि छात्राओं को परियोजना बनाना, रिपोर्ट तैयार करना तथा बैंक के अधिकारियों एवं सी.ए. द्वारा भी प्रशिक्षण दिलाया जावेगा।

एक माह के प्रशिक्षण में विभिन्न औद्योगिक इकाईयों का भ्रमण कराया जावेगा ताकि वे स्थल पर ही जानकारी हासिल कर सकेगीं।

प्रतिदिन प्रशिक्षण में डॉ. अशोक चन्द्रा, सुप्रभातशील, हेमंत घोटे द्वारा विभिन्न विषयों पर जानकारी दी जा रही है। छात्राएँ वाशिंग पावडर, नैप्थलीन गोली, कैंडल, बेकरी प्रोडक्ट, फिनाईल, लिक्विडसोप आदि बनाना सीख रही हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बीआईटी दुर्ग के उद्यमिता प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. अशोक चन्द्रा के द्वारा हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने की। सिटकॉन के राज्य प्रमुख प्रसन्न निमोनकर ने भी प्रतिभागी छात्राओं को उद्यमिता की विशेषताएँ एवं उद्देश्यों से परिचित कराया।

वाशिंग पावडर, कैंडल, फिनाइल बनाना सीख रहीं छात्राएं

दुर्ग. शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ इण्डस्ट्रियल एवं टेक्नीकल कंसल्टेंसी सेंटर (सिटकॉन) द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड के सौजन्य से एक माह का महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम प्रारंभ किया गया. छात्राओं को स्वावलंबी बनाने और उन्हें स्वयं का रोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से चार सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

महाविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र की प्रभारी डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि प्रशिक्षण में विषय-विशेषज्ञों द्वारा प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें व्यक्तित्व विकास, उद्योग-व्यवसाय चयन, बाजार सर्वेक्षण, स्थानीय संसाधन की जानकारी दी जा रही है. डॉ. दुबे ने बताया कि उद्योगों की स्थापना में सहायक शासकीय एवं वित्तीय संस्थाओं द्वारा प्रदत्त सुविधाओं की जानकारी भी दी जा रही है.

सिटकॉन प्रभारी प्रतिभा गुप्ता ने जानकारी दी कि छात्राओं को परियोजना बनाना एवं रिपोर्ट तैयार

छात्राओं को स्वावलंबी बनाने दिया जा रहा प्रशिक्षण

करना तथा बैंक के अधिकारियों एवं सीए द्वारा भी प्रशिक्षण दिलाया जावेगा. एक माह के प्रशिक्षण में विभिन्न औद्योगिक इकाईयों का भ्रमण कराया जावेगा ताकि वे स्थल पर ही जानकारी हासिल कर सकेगी,

प्रतिदिन प्रशिक्षण में डॉ. अशोक चन्द्रा, सुप्रभातशील, हेमंत घोटे द्वारा विभिन्न विषयों पर जानकारी दी जा रही है. छात्राएं वाशिंग पावडर, नैप्थलीन गोली, कैंडल, बेकरी प्रोडक्ट, फिनाईल, लिक्विड सोप आदि बनाना सीख रही हैं.

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बीआईटी दुर्ग के उद्यमिता प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. अशोक चन्द्रा द्वारा हुआ. कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने की. सिटकॉन के राज्य प्रमुख प्रसन्न निमोनकर ने भी प्रतिभागी छात्राओं को उद्यमिता की विशेषताएं एवं उद्देश्यों से परिचित कराया.

M.M. Patankar Girls P.G. College DURG Govt. Dr.

आभूषण बनाना आर्ट ही नहीं व्यवसाय भी है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में ज्वेलरी डिजाईन में कॅरियर विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इंस्टीट्यूट ऑफ ज्वेलरी डिजाईनिंग के द्वारा आयोजित कार्यशाला में इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर रश्मि गुप्ता द्वारा ज्वेलरी डिजाईनिंग के सर्टीफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

■ गर्ल्स कालेज में ज्वेलरी डिजाईनिंग पर कार्यशाला

उन्होनें बताया कि आभूषण बनाना एक कला एवं व्यवसाय है। जिसमें रचनात्मकता का समावेश करने से वह सौन्दर्य का प्रतीक बन जाता है। उन्होनें डिजाईन की विभिन्न प्रतिकृतियों के माध्यम से सविस्तार चर्चा की। श्रीमती गुप्ता ने इसे कॅरियर के रूप में अपनाने तथा प्रशिक्षण की संबंधी विभिन्न संस्थाओं एवं पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। कौशल विकास केन्द्र प्रभारी डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि संस्था की विनिता गुप्ता ने भी ज्वेलरी और व्यक्तित्व विकास पर चर्चा की।

इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया। जिसमें छात्राओं ने आभूषणों से संबंधित प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की। अच्छे प्रश्नों पर संस्था के द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि कौशल विकास के जरिये स्वरोजगार एवं कॅरियर के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है। ज्वेलरी डिजाईनिंग में प्रशिक्षित होने पर इससे रोजगार के बहुत से अवसर है। कार्यशाला में 80 छात्राओं ने अपनी भागीदारी दी। इंस्टीट्यूट ऑफ ज्वेलरी डिजाईनिंग द्वारा छात्राओं के लिए प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की जा रही है। अंत में डॉ. बबीता दुबे ने आभार व्यक्त किया।

छात्राओं को उद्यमी बनने ...

से जुड़े व्यवसायियों ने भी छात्राओं को अनुभव सांझा किए तथा प्रशिक्षण दिया।

महाविद्यौलय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि विगत 2 वर्षों से सतत् रूप से छात्राओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। लघुउद्योग, कुटीर उद्योग में कई छात्राओं ने सफ्ल प्रयास किये हैं जो कि बड़ी उपलब्धि है। अभी भी महाविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र द्वारा कुकिंग, ब्यूटीशीयन एवं ड्रेस डिजाईनिंग पर कार्यशाला एवं प्रशिक्षण दिया जावेगा। आत्मनिर्भरता की दिशा में छात्राओं को प्रेरित एवं मजबूत करने के प्रयास में सिटकॉन एवं नई दिल्ली के राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का सहयोग उल्लेखनीय है जिनके माध्यम से लगातार नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

महाविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र प्रभारी डॉ. बबिता दुबे ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि छात्राओं ने बहुत ही प्रभाशाली व उपयोगी प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए है जिस पर आगे की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है। प्रतिभागी छात्राओं में कु. तब्बसुम, कुं. रानू, कुं. आनंदिता ने अपने विचार रखे तथा इस प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण एवं उपयोगी बताया।

सिटकॉन के प्रशिक्षक सुप्रभातशील ने कहा कि छात्राओं ने मार्केटिंग के साथ औद्योगिक इकाईयों में जाकर महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की है जो उन्हें स्वरोजगार की दिशा में मदद देगी।

छात्राओं ने वाशिंग पावडर, नैप्थलीन गोली, कैंडल, ब्रेकरी प्रोडक्ट, फिनायल, लिक्विड सोप, अगरबत्ती आदि बनाने का प्रशिक्षण लिया और इनका विक्रय कर आर्थिक लाभ भी प्राप्त किया।

सिटाकॉन के प्रमुख प्रसन्न निमोनकर ने महाविद्यालय में स्थायी उद्यमिता सेंटर की स्थापना की घोषणा की जिससे छात्राओं को लगातार मदद मिल सकेगी। अंत में डॉ. बबिता दुबे ने आभार प्रदर्शित किया।

Dr. W.W. Patankar Girls P.G. College * Govt.
DURG